# समान पक्षी अभयारण्य

## चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में समान पक्षी अभयारण्य में एशियाई वाटरबर्ड जनगणना आयोजित की गयी।
- इस जनगणना के अनुसार उत्तरी एशिया और मध्य एशिया से प्रवासी पक्षी प्रजातियों की संख्या में गिरावट आई है।

## समान पक्षी अभयारण्य के बारे में:

- उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में समान पक्षी अभयारण्य गंगा के बाढ़ के मैदान पर एक मौसमी गोखुर झील है।
- यह रामसर आर्द्रभूमि के रूप में सूचीबद्ध है।
- अभयारण्य नियमित रूप से 50,000 से अधिक जलपक्षियों को आश्रय प्रदान करता है।
- यह कई प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण शीतकालीन स्थल है, जिसमें ग्रेलैग गूज भी शामिल है, जहाँ सर्दियों के दौरान दक्षिण एशियाई आबादी का 1% से अधिक हिस्सा मौजूद रहता है।
- सारस क्रेन और ग्रेटर स्पॉटेड ईगल सहित कमजोर प्रजातियां भी इस आर्द्रभूमि में पायी जाती हैं।

स्त्रोत – TOE

# अपातानी जनजाति

## चर्चा में क्यों ?

- अपातानी जनजाति , पूर्वी हिमालय के प्रमुख जनजातीय समूहों में से एक है। यह कृषि के एक विशिष्ट रूप को अपनाते हैं जहाँ चावल और मछली दोनों का एक साथ उत्पादन किया जाता है और उन्हें प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

## अपातानी जनजाति के बारे में:

- अपतानी या तानी अरुणाचल प्रदेश की एक जनजाति है।
- ये लोग अरुणाचल के लोवर सुबंसिरि जिले के जीरो वैली में पाये जाते हैं। इनकी कुल जनसंख्या लगभग 60,000 है।
- इनकी भाषा का नाम भी 'अपतानी भाषा' है जो चीनी-तिब्बती परिवार की भाषा है।
- ये लोग सूर्य और चंद्रमा की पूजा करते हैं तथा द्री, मायोको, यापुंग और मुरुंग इनके प्रमुख त्यौहार हैं।
- द्री को अच्छी फसल और सभी मानव जाति की समृद्धि के लिए प्रार्थना के साथ मनाया जाता है और मायोका आधुनिक मित्रता दिवस के समान दोस्ती का त्यौहार है।
- ये अरुणाचल प्रदेश के अपने पहाड़ी इलाकों में एकीकृत चावल-मछली की खेती कर रहे हैं।

स्रोत - DTE

# रेल कौशल विकास योजना

## चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, युवाओं को रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश स्तर का कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए "रेल कौशल विकास योजना" अधिसूचित की गई है।

## रेल कौशल विकास योजना के बारे में:

- **नोडल मंत्रालय:** रेल मंत्रालय।
- यह एक कौशल विकास योजना है जिसमें रेलवे के लिए प्रासंगिक नौकरियों हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।
- यह प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) के तहत एक उप-योजना है।

## योजना की मुख्य विशेषताएं:

- पात्रता मानदंड: दसवीं कक्षा पास करने वाले और 18 से 35 वर्ष के बीच के उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र हैं।
- प्रशिक्षण चौदह (14) उद्योग-संबंधित तकनीकी ट्रेडों; जैसे- इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, मशीनिस्ट, फिटर आदि में दिया जाता है।
- अभ्यर्थियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है तथा इस योजना के अन्तर्गत रोजगार उपलब्ध कराने का कोई प्रावधान नहीं है।

- प्रतिभागियों का चयन ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों में से मैट्रिक में अंकों के आधार पर पारदर्शी व्यवस्था अपनाते हुए किया जाएगा।

स्रोत– PIB

# गजियांटेप महल

## चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में तुर्की और सीरिया के कुछ हिस्सों में आए विनाशकारी भूकंप से 2,000 साल पुराना रोमन काल का गजियांटेप कैसल गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया।

## गजियांटेप महल के बारे में:

- यह दक्षिणी तुर्की के गजियांटेप शहर में एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है।
- यह यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है।
- यह पहली बार हित्ती साम्राज्य द्वारा एक अवलोकन केंद्र के रूप में बनाया गया था तथा बाद में दूसरी और तीसरी शताब्दी ईस्वी में रोमन साम्राज्य द्वारा इसे एक मुख्य महल के रूप में बनाया गया था।

- 527 और 565 ईस्वी के बीच बिजेंटीयन सम्राट जस्टिनियनस ("आर्किटेक्ट ऑफ कैसल्स" कहा जाता है) के अधीन महल का और विस्तार एवं नवीनीकरण हुआ।
- ओटोमन्स ने समय के साथ महल की मरम्मत की, लेकिन इसे 1481 में मिस्र के सुल्तान क़ैतबे द्वारा दूसरा पूर्ण ओवरहाल बनाया गया।
- महल ने 2000 में अपना अंतिम आकार लिया और कई बार इसका जीर्णोद्धार किया गया।

## विशेषताएँ:

- महल में एक अनियमित वृत्त का आकार है। दीवारें पत्थर से बनी हैं और परिधि में 1200 मीटर फैली हुई हैं।
- इसमें 12 टावर हैं जो सैनिकों के लिए रहने वाले क्वार्टर और कई अन्य कक्ष; जैसे- अस्तबल, जेल, खजाने के लिए स्टोररूम या सैनिकों के लिए बैरक हैं।

स्रोत- TOI

# भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (ICHR)

## चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने हाल ही में लोकसभा को सूचित किया कि ICHR ने भारतीय इतिहास को फिर से लिखने के लिए कोई परियोजना शुरू नहीं की है, बल्कि उसका तात्पर्य केवल "अंतराल भरना" है।

## भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (ICHR) के बारे में:

- ICHR शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन है।
- यह 1972 में एक प्रशासनिक आदेश द्वारा स्थापित किया गया था।
- ICHR को एक साहित्यिक और धर्मार्थ समाज के रूप में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम (1860 के अधिनियम XXI) के तहत पंजीकृत किया गया था।
- ICHR को उच्च शिक्षा विभाग से सहायता अनुदान, विभिन्न भारतीय राज्यों से सहायता अनुदान, निजी दान और ICHR के प्रकाशनों की बिक्री से आय प्राप्त होती है।

## उद्देश्य:

- इतिहासकारों को एक साथ लाना और उनके बीच विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करना।
- इतिहास के एक वस्तुनिष्ठ और वैज्ञानिक लेखन को राष्ट्रीय दिशा देना और इतिहास की तर्कसंगत प्रस्तुति और व्याख्या करना।
- उन क्षेत्रों पर विशेष बल देना, जिन क्षेत्रों पर अब तक पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है, इतिहास में अनुसंधान को बढ़ावा देना, उसमें तेजी लाना और समन्वय करना।
- सभी संबंधितों से ऐतिहासिक अनुसंधान के लिए समर्थन और मान्यता प्राप्त करना एवं परिणामों का आवश्यक प्रसार तथा उपयोग सुनिश्चित करना।

स्रोत –IE

THE STUDY
SAMANYEVADHIKARASTE
MANU PALESHU KADACHAN
An Institute for IAS